पाठ योजना - हिन्दी

पाठ योजना

सत्र- 4 (2024 -25)

विषय:- (हिंदी मेजर)

फरवरी माह:-

पाठ परिचय, इकाई -1 प्लेटो की काव्य संबंधी मान्यताएं, अरस्तु का अनुकरण सिद्धांत, अरस्तु का विरेचन सिद्धांत, लोजांईनस का काव्य में उद्धात तत्व की अवधारणा , वर्ड्सवर्थ का काव्य- भाषा सिद्धांत।

मार्च माह :-

इकाई- 2 भारतेंदु द्वारा रचित नाटक अंधेर- नगरी का पाठ, नाटक की कथावस्तु, उद्देश्य चरित्र- चित्रण, भाषा शैली, रंगमंचीयता ,समस्याएं व नामांकरण।

2- प्रदत्त कार्य

इकाई -3 हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल) ,रीतिकाल की सामान्य परिस्थितियां, रीतिकाल का नामांकन, रीतिकालीन काव्य की विशेषताएं ,रीतिकाल का नीति पर काव्य।

अप्रैल माह:-

इकाई -4

प्रयोजनमूलक हिंदी का अर्थ, परिभाषा एवं महत्व, पत्र लेखन : प्रकार, प्रक्रिया व रूपरेखा। संक्षेपण : अर्थ, परिभाषा व प्रक्रिया के नियम। पल्लवन:अर्थ, परिभाषा, स्वरूप प्रक्रिया के नियम व विशेषताएं। पाठ का पुन :अध्ययन ,वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का अध्ययन।

पाठ- योजना

बी0ए0 फर्स्ट ईयर (माईनर) 2-सेमेस्टर (2023 -24)

1.जनवरी माह --

राजभाषा की परिभाषा और प्रकृति ,संपर्क भाषा, राजभाषा और राष्ट्रभाषा में अंतर ,प्रशासन और राजभाषा में अंतर संबंध, राजभाषा का चयन स्वीकृति और राष्ट्र की अन्य भाषणों के साथ संबंध, मानक भाषा और राजभाषा।

2.फरवरी माह ---

राजभाषा हिंदी की संवैधानिक व्यवस्था, राजभाषा अधिनियम, राष्ट्रपति के राजभाषा संबंधी आदेश, राजभाषा संकल्प 1988 राजभाषा नियम, द्विभासा नीति, त्रिभाषा सूत्र, हिंदी प्रदेशों व अहिंदी भाषी प्रदेशों में राजभाषा हिंदी की वर्तमान स्थिति।

3.मार्च माह -----

हिंदी का वैज्ञानिक और तकनीकी तकनीकी विकास, उपलब्धियां और सीमाएं, कार्यालयों में हिंदी के अनुवाद की समस्या, मौलिक लेखन में भाषा के रूप में हिंदी, अनुवाद भाषा के रूप में हिंदी।

4.अप्रैल माह----

राजभाषा हिंदी का विकास, न्यायपालिका, बैंकिंग, बीमा और राजभाषा हिंदी, राजभाषा हिंदी आलेख, टिप्पण ,संक्षेपण, पत्राचार ,हिंदी टंकण ,मुद्रण एवं कंप्यूटरीकृत की अधिकतम स्थिति, हिंदी के प्रचार प्रसार में विभिन्न संस्थाओं की भूमिका, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी, राष्ट्र संघ में हिंदी, विश्व हिंदी सम्मेलन और हिंदी।

पाठ- योजना

बी0ए0 (मेजर)2 सेमेस्टर 2023-24

1.जनवरी माह------

कबीर दास का जीवन एवं साहित्यिक परिचय ,कबीर ग्रंथावली का पाठ।

सूरदास का जीवन एवं साहित्यिक परिचय, सूरसागर सार सटीक का पाठ , तुलसीदास का जीवन एवं साहित्यिक परिचय, कवितावली का पाठ , मीराबाई का जीवन एवं साहित्यिक परिचय, मीराबाई की पदावली का पाठ , घनानंद का जीवन एवं साहित्यिक परिचय, कवित व सवैयौं का पाठ।

2.फरवरी माह -----

रसखान का जीवन एवं साहित्यिक परिचय, रसखान रत्नावली का पाठ,

बिहारी लाल का जीवन एवं साहित्यिक परिचय ,बिहारी रत्नाकर का पाठ।

अनुशीलन के आधार पर समीक्षात्मक प्रश्न ----

कबीर की भक्ति भावना, गुरु का महत्व, सामाजिक चेतना, भाषा शैली ,सूरदास की भक्ति भावना, विरह-वर्णन ,बाल - लीला वर्णन, श्रृंगार भावना,

3.मार्च माह ------

तुलसीदास की प्रासंगिकता, तुलसीदास की समन्वय भावना ,भक्ति भावना, राम भक्त के रूप में तुलसी, मीरा की गीति-योजना ,प्रेम-साधना ,काव्य साधना ,बिहारी का नीति काव्य, बिहारी का श्रृंगार वर्णन, बिहारी की बहुज्ञयता,घनानंद का विरह वर्णन ,सौंदर्य चेतना ,रसखान की भक्ति भावना, प्रेम-निरूपण।

4.अप्रैल माह ------

आदिकाल की सामान्य परिस्थितियां ,आदिकाल का नामांकन एवं सीमाएं, आदिकालीन साहित्यिक की प्रमुख प्रवृत्तियां, रासो काव्य सामान्य परिचय, लोकिक काव्य सामान्य परिचय ,काव्य की परिभाषा, काव्य के गुण, काव्य हेतु ,काव्य तत्व ,शब्द शक्तियां।

बी०ए० तृतीय वर्ष छठा सेमेस्टर: **पाठ -योजना (2023-24)**

पाठ्-योजना जनवरी माह: (नव्यतर गघ-गौरव)

1: आशा का अंत (बालमुकुंद गुप्त)

2: उत्साह (आचार्य रामचंद्र शुक्ल)

3: गिल्लू (माहादेवी वर्मा)

4: देवदारू (आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी)

5: मेरे राम का मुकुट भीग रहा है (श्री विघानिवास मिश्र)

6: सदाचार का ताबीज (श्री हरिशंकर परसाई)

7: तिब्बत के पथ पर (श्री राहुल सांस्कृत्यायन)

पाठ्–योजना फरवरी माह: हरियाणवी भाषा और साहित्य का इतिहास

१: : हरियाणवी भाषा का उद्भव और विकास

२: : हरियाणवी भाषा की प्रमुख बोलियां

३: हरियाणा की सांग परम्परा: उदभव और विकास

४:हरियाणवी भाषा का आधुनिक साहित्य

क: हरियाणवी कविता : परिचय और प्रवृतियां

ख: हरियाणवी का गघ साहित्य

१: उपन्यास साहित्य २: कहानी साहित्य ३: नाट्क साहित्य ।

पाठ्– योजना मार्च माह :प्रयोजनमूलक हिन्दी: पत्रकारिता

१: पत्रकारिता स्वरूप एवं प्रकार

२: शीर्षक की संरचना

३: सम्पादक के गुण और दायित्व

४: फीचर लेखन

५: स्वतंत्र प्रैस की अवधारणा

पाठ–योजना अप्रैल माह: परीक्षा हेतु संपूर्ण पाठ्क्रम का पुर्नअध्ययन ।